कृषि विभाग–पौधा संरक्षण
पौधा संरक्षण सामयिक सूचना

अंक–14 /2014–15

"आम "

वर्तमान समय मे तापमान के उतार–चढ़ाव तथा बादल छाये रहने, हो रही बुंदा–बांदी एवं कुहासा जैसे मौसम के कारण किसान भाईयों को आम के मंजर की सुरक्षा हेतु खास ध्यान देने की ज़रूरत है। ऐसे बदलते मौसम में आम के मंजर में मृदरोमिल रोग जो Oidium mangiferae नामक फफूँद से होता है, के लगने की संभावना बढ़ जाती है। अतः किसान भाई अपने आम के मंजर की नियमित निगरानी अवश्य करें। इसका प्रबंधन निम्न प्रकार करें:–

मृदरोमिल रोग:– बौर आने की अवस्था में यदि मौसम बदली वाला हो या बुंदा–बांदी हो रही हो तो यह बीमारी प्रायः लग जाती है। इस बीमारी के प्रभाव से रोगग्रस्त मंजर (पुष्पक्रम) का भाग सफेद दिखाई पड़ने लगता है जो बाद में काला हो जाता है। अन्ततः मंजरियां एवं फल सूखकर गिर जाते है। वर्त्तमान मौसम इस रोग के प्रसार के अनुकुल है।

प्रबन्धन :–

(1) इस बीमारी के लक्षण दिखाई पड़ते ही पेड़ों पर सल्फर 80 घुलनशील चूर्ण का 3 ग्राम प्रति लीटर अथवा हेक्साकोनाजोल 5 प्रतिशत एस0सी0 का 1 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर मंजर पर छिड़काव करना चाहिए।

अथवा प्रति लीटर पानी में 0.5 मिली लीटर डिनोकैप 80 ई0 सी0 घोल बनाकर छिड़काव करने से भी इस बीमारी का नियंत्रण किया जा सकता है।

"लीची"

लीची की फसल पर माईट कीट के लगने की सूचना विभिन्न श्रोतों से प्राप्त हो रही है। कृषक बंधु इस कीट का प्रबंधन अवश्य करें ताकि फसल के नुकसान को रोका जा सकें।

लीची माईट:– वयस्क तथा शिशु कीट पत्तियों की निचली भाग पर रहकर रस चूसते है जिसके कारण पत्तियाँ भूरे रंग के मखमल की तरह हो जाती है तथा किकुड़ कर अंत में सूख जाती है। इसे **"इरिनियम"** के नाम से जाना जाता है। ये कीट मार्च से जुलाई तक काफी सक्रिय रहते है।

प्रबन्धन:–

(1) माईट से ग्रसित पत्तियों, टहनियों को काटकर जला देना चाहिए।

(2) माईट से आक्रान्त नया पौधा नहीं लगाना चाहिए।

(3) इसका आक्रमण होने पर सल्फर 80 घु0 चू0 का 3 ग्राम या इथियान 50 ई0 सी0 या डायकोफॉल 18.5 ई0 सी0 का 2 मि0ली0 या प्रोपरजाईट 57 ई0सी0 या फेनप्रौक्सिमेट 5 ई0. सी0 का एक मि0 ली0 प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए।

विशेष जानकारी एवं सुविधा के लिए नजदीक के पौधा संरक्षण केन्द्र/ सहायक निदेशक, पौधा संरक्षण/ जिला कृषि कार्यालय अथवा कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों से सम्पर्क करें।

ह0/–
संयुक्त निदेशक, पौधा संरक्षण,
बिहार, पटना।

ज्ञाप संख्या– 19–4/पौ0सं0सर्वे0/13–14– 251 /कृ0,पटना, दिनांक– 03 मार्च, 2015 ।

प्रतिलिपिः– केन्द्र निदेशक, आकाशवाणी (सभी)/केन्द्र निदेशक, दूरदर्शन केन्द्र, पटना की सेवा में प्रेषित करते हुए आग्रह है कि कृपया जनहित में उपर्युक्त सूचनाओं को कृषि कार्यक्रमों में प्रसारित करने की कृपा की जाय।

प्रतिलिपिः– सहायक निदेशक, पौधा संरक्षण (सभी)/सर्वेलेन्स पदाधिकारी पटना/सर्वेलेन्स शाखा मुख्यालय, पटना/किसान कॉल सेन्टर, पटना/जिला कृषि पदाधिकारी (सभी)/ उप/सहायक निदेशक, पौ0 सं0, (सभी)/उप कृषि निदेशक, सूचना, बिहार, पटना/संयुक्त निदेशक (शष्य) सभी की सेवा में सूचनार्थ प्रेषित। आपसे आग्रह है कि किसानों के हित में उक्त सूचनाओं को प्रचारित–प्रसारित करने की कृपा की जाय।

प्रतिलिपिः– प्राचार्य, प्रसार प्रशिक्षण केन्द्र, मुशहरी, मुजफ्फरपुर, पटना, भोजपुर एंव पूर्णियाँ/वरीय वैज्ञानिक क़ीट/रोग, कृषि अनुसंधान संस्थान, राजेन्द्र कृषि विश्वविधालय, मीठापुर पटना/कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र (सभी)/निदेशक, प्रसार शिक्षा रा0 कृ0 वि0 वि0, पूसा समस्तीपुर/बिहार कृषि विश्वविधालय, सबौर, भागलपुर की सेवा में समर्पित करते हुए अनुरोध है कि अपने अनुभवों के आधार पर अपना बहुमूल्य सुझाव देने की कृपा करेंगे।

प्रतिलिपिः– पौधा संरक्षण सलाहकार, भारत सरकार/निदेशक, आई0 पी0 एम0, भारत सरकार, पौधा संरक्षण संगरोध एवं संचयन निदेशालय, एन0 एच0–4 फरीदाबाद (हरियाणा) की सवा में सादर सूचनार्थ समर्पित।

प्रतिलिपिः– कृषि निदेशक, बिहार, पटना/ प्रधान सचिव, कृषि विभाग, बिहार, पटना/ कृषि उत्पादन आयुक्त, बिहार, पटना/विकास आयुक्त, बिहार, पटना की सेवा में सादर सूचनार्थ समर्पित।

03/03/15
संयुक्त निदेशक, पौधा संरक्षण
बिहार, पटना।

जैविक अपनायें, स्वच्छ उपजायें।

स्वच्छ खायें, स्वस्थ रहें ।।

(6)